अब यह आत्मनिरीक्षण का समय है, हे परमेश्वर के सेवक!

एक छोटी सी कहानी पर ध्यान दें:

एक 9 साल की छोटी लड़की ने अपने माता-पिता से पूछा, “माता-पिता, मैं किस तरह का जीवन जियूँ ताकि मैं सफल हो सकूँ?”

उसके माता-पिता ने कहा,
“बेटी, तुम्हें पढ़ाई-लिखाई की कोई ज़रूरत नहीं है। अभी तुम्हें किसी चीज़ की गहरी जानकारी लेने की ज़रूरत नहीं। बस पैसे कमाने के किसी आसान तरीके की तलाश करो। जब तुम्हें पैसे मिल जाएंगे, तो तुम्हारा जीवन ठीक रहेगा।”

लड़की ने उनके इस सुझाव को अपनाया और बड़ी होने लगी। उसने जीवन की शिक्षा की ओर ध्यान नहीं दिया। 12 साल की उम्र में, वह गली में काम करने लगी। वहां उसने कुछ व्यावसायिक महिलाएं देखीं, जिन्होंने उसे समझाया कि अपने शरीर को बेचकर वह आसानी से पैसा कमा सकती है।

चूँकि उसके माता-पिता ने भी उसे ऐसा करने की सलाह दी थी, उसने इसे सही समझा और उसी काम में जुट गई। सच में, उसे जल्दी ही पैसा मिलने लगा। जब उसने वह पैसा अपने माता-पिता को दिया और बताया कि उसने कैसे कमाया, तो उसके माता-पिता ने उसे कोई चेतावनी नहीं दी, भले ही वे जानते थे कि इस काम के दुष्परिणाम क्या हो सकते हैं। उन्होंने उसे जारी रहने दिया ताकि वह और पैसा ला सके।

अब यह आत्मनिरीक्षण का समय है, हे परमेश्वर के सेवक!

लड़की ने मेहनत से यह काम जारी रखा क्योंकि वह अपने माता-पिता के लिए दयालु भी थी कि वे कष्ट में न रहें। वर्षों तक उसने यह काम किया और माह के अंत में अपने माता-पिता को बहुत सारा पैसा दिया।

लेकिन एक दिन अचानक वह बीमार पड़ गई। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि उसके माता-पिता डर के कारण उसे स्वास्थ्य जांच के लिए नहीं भेज सके। उन्होंने उसे बस यह कहकर सांत्वना दी कि “बस दर्द की दवा ले लो, सब ठीक हो जाएगा। पैसे कमाने में लगे रहो।”

जब उसकी हालत और बिगड़ गई और वह चलने तक में असमर्थ हो गई, तब जाकर उसने खुद अस्पताल जाकर जांच कराई। पता चला कि वह HIV वायरस से संक्रमित हो गई थी।

उसके बाद वह बहुत रोई और अपने जीवन पर पछताया। उसने अपने माता- पिता से पूछा,
“क्या आप सच में मुझे प्यार करते थे, या बस मुझे अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया?”

यह कहानी हमें क्या सिखाती है?
आज भी, देश के नेता लोगों को उनके पापों से वापस आने के लिए बुला रहे हैं क्योंकि वे परमेश्वर के खिलाफ गए हैं। और हम, जो खुद को नबी, प्रेरित, सेवक या शिक्षक कहते हैं, हमने लोगों को चेतावनी

अब यह आत्मनिरीक्षण का समय है, हे परमेश्वर के सेवक!

नहीं दी कि उनके पाप उन्हें हानि पहुंचा सकते हैं। हमने सिर्फ उन्हें सफल होने और समृद्धि की बातें सुनाई।

लोग जब सच में परमेश्वर को खोजते हैं, तो उनका उद्देश्य आत्मा के जीवन की खोज करना होता है। लेकिन जब आप उन्हें केवल व्यापार और समृद्धि की ओर मार्गदर्शन करते हैं, तो वे अंत में पाते हैं कि इससे उनके वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं होता।

हम लोगों को चेतावनी नहीं देते कि यह दुनिया समाप्त होने वाली है और जब विरोधी मसीह आएगा, तो बड़ी आपदा आएगी। इसके बजाय हम उन्हें अमीर बनने और भौतिक सुख पाने की बातें सुनाते हैं।

यिर्मयाह 23:14-15

“मैंने यरूशलेम के नबियों में निन्दनीय बातें देखीं; वे व्यभिचार करते हैं, झूठ बोलते हैं, और दुष्टता करने वालों को शक्ति देते हैं, जबकि कोई उनकी बुराई छोड़ने को नहीं कहता। प्रभु यह कहता है: ‘मैं उनके कारण रियायत नहीं करूंगा; मैं उन्हें कड़वी सजा दूंगा क्योंकि उनके झूठ ने पूरी भूमि को
भर दिया है।’”

अब यह आत्मनिरीक्षण का समय है, हे परमेश्वर के सेवक!

हमेशा यह याद रखें कि हमें परमेश्वर के क्रोध से डरना चाहिए और दूसरों को भी चेतावनी देनी चाहिए।

मरण आथा।

अगर आप चाहें, तो हम ये शिक्षाएँ आपको ईमेल या व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं। संपर्क करने के लिए नीचे दिए गए नंबर पर संदेश भेजें: +255 789001312

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp